सकारात्मक सोच–जीवन की सबसे बड़ी शक्ति

न्यायाधीश नगेन्द्र कुमार जैन
(पूर्व मुख्य न्यायाधिपति मद्रास एवं कर्नाटक उच्च न्यायालय)

मनुष्य का व्यक्तित्व उसकी वाणी, व्यवहार और सबसे बढ़कर उसकी सोच से पहचाना जाता है। सकारात्मक सोच केवल अच्छे विचार रखना नहीं है, बल्कि हर परिस्थिति में अच्छाई खोजने की कला है। जो व्यक्ति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाता है, वह कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अवसर तलाश लेता है, जबकि नकारात्मक सोच वाला व्यक्ति अवसरों में भी कठिनाइयाँ ढूंढता रहता है। इसलिए कहा गया है कि जैसी हमारी सोच होती है, वैसा ही हमारा जीवन बनता चला जाता है।

यदि किसी के हाथ में खाली बर्तन दिखाई दे, तो तुरंत यह मत मान लीजिए कि वह मांगने निकला है। यह भी हो सकता है कि वह अपना अन्न, धन या आवश्यक वस्तुएँ किसी जरूरतमंद को देकर लौट रहा हो। संसार में अनेक ऐसे लोग हैं जो बिना किसी प्रचार या प्रसिद्धि की इच्छा के निस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं। इसलिए किसी भी व्यक्ति के बारे में केवल बाहरी परिस्थितियों को देखकर निर्णय लेना न्यायसंगत नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में संघर्ष, त्याग और सेवा की ऐसी अनेक कहानियाँ होती है, जिन्हें दुनिया देख नहीं पाती। विवेक वान वहीं है जो निर्णय लेने से पहले परिस्थिति को समझने का प्रयास करे।

इसी प्रकार, जीवन में पद, प्रतिष्ठा धन, सौंदर्य और अधिकार का अहंकार भी स्थायी नहीं होता। जिस छत को अपने सबसे ऊपर होने का बहुत गर्व था, समय ने करवट ली, उसके ऊपर एक और मंजिल बन गई और नई छत फर्श बन गई। यह उदाहरण हमें सिखाता है कि समय सबसे बड़ा परिवर्तनकर्ता है। आज जो ऊँचाई पर है, वह कल सामान्य स्थिति में भी आ सकता है, और जो आज संघर्ष कर रहा है, वह कल सफलता के सर्वोच्च शिखर पर पहुंच सकता है। इसलिए सफलता मिलने पर विनम्र रहना और कठिन समय में धैर्य बनाए रखना ही सच्ची महानता है।

दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति और सद्भाव रखने वाला व्यक्ति कभी अकेला नहीं रहता। उसके अच्छे संस्कार और मधुर व्यवहार ही उसकी सबसे बडी पूंजी बन जाते हैं। किसी की आलोचना करने से पहले उसके संघर्षो को समझने का प्रयास करें, क्योंकि हर मुस्कुराते चेहरे के पीछे कोई न कोई अनदेखी कहानी अवश्य होती है। जो व्यक्ति दूसरों के दुःख को समझता है। वही वास्तव में मानवता का पालन करता है।

आइए, हम अपने जीवन में सकारात्मक सोच, विनम्रता, संवेदनशीलता और सेवा–भाव को अपनाने का संकल्प लें। याद रखिए– निर्णय लेने से पहले सत्य को जानना बुद्धिमानी है, सफलता मिलने पर विनम्र बने रहना महानता है और सकारात्मक सोच के साथ जीवन जीना ही वास्तविक समृद्धि है। यही गुण मनुष्य को समाज में सम्मान, परिवार में प्रेम और जीवन में स्थायी सुख प्रदान करते हैं।